साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 44 | गोंदिया : गुरुवार, 10 से 16 जुन 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

मानसुन पूर्व तैयारी का करें सुक्ष्म नियोजन - जिलाधिकारी खवले

शोध व बचाव दल के सदस्यों को एसडीआरएफ ने दिया प्रशिक्षण

गोंदिया जिले में मानसून के दौरान ९६ ग्रामों में बाढ़ का खतरा बना रहता है। गतवर्ष २०२० में आयी बाढ़ की स्थिति की पुनरावृत्ति न हो तथा इस वर्ष बांध, जलाशय आदि स्थानों पर जल का संग्रह अधिक न हो पाए, इसके लिये सभी संबंधित विभाग मानसून के पूर्व तैयारी का सूक्ष्म नियोजन करें, ऐसा निर्देश जिलाधिकारी राजेश खवले ने राज्य आपदा प्रतिसाद दल नागपुर के माध्यम से गोरेगांव तहसील के कटंगी जलाशय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दिया।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी राजेश खवले ने आगे कहा कि जलसंपदा व राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय व तालमेल बनाकर कार्य करना आवश्यक है। बांधों के पानी का योग्य नियोजन कर ग्राम के नागरिकों को पूर्व सूचना देकर पानी छोड़ने, नदी के जलस्तर की सूचना संबंधित विभाग को देना आवश्यक है। अचानक आने वाली आपदा परिस्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग सतर्क रहें। ऐसा निर्देश सभी उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों को दिया। जिले में औसत १३२७.४९ मिलीमीटर बारिश होती है। गोंदिया जिले से लगे मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के बालाघाट व राजनांदगांव जिले में होने वाली बारिश का पानी संजय सरोवर व सिरपुर बांध के माध्यम से जिले में प्रवेश करता है। संजय सरोवर से छोड़ा जाने वाला पानी २५ घंटों में वैनगंगा नदी के माध्यम से बिरसोला, संगम घाट काटी पहुंचता है। तथा सिरपुर देवरी से छोड़ा जाने वाला अतिवृष्टि का पानी २७ घंटों में बाघ नदी के माध्यम से रजेगांव घाट तक पहुंचता है। इस दौरान बांध के माध्यम से छोड़े जाने वाले पानी का योग्य नियोजन करने का भी निर्देश जिलाधिकारी खवले ने दिया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विश्वकप पानसरे ने कहा कि शोध व बचाव दल के सदस्य इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ लेकर बाढ़ की स्थिति पर मात देने में सचम बने। प्रत्येक विभाग के प्रमुख २४ घंटे नियंत्रण कक्ष में कर्मचारियों को कार्यरत रखें तथा व्हाट्सएप ग्रुप तैयार कर बाढ़ की स्थिति की पूर्व सूचना नागरिकों को देने, बाढ़ की स्थिति में टिकाऊ वस्तुओं का उपयोग कर आपदा पर मात करने के लिए जनजागृति करें। आपदा पूर्व नियोजन महत्वपूर्ण है। जिले के ९६ ग्रामों में बाढ़ की स्थिति निर्माण होने की संभावना व धोखा रहता है। मानसून की समय अवधि के दौरान इन ग्रामों में उपाय योजना करने के लिए पुलिस दल तैयार रहकर २४ घंटे कार्यरत हैं, ऐसी जानकारी पुलिस अधीक्षक ने दी।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, तहसीलदार गोरेगांव सचिन गोसावी, एसडीआरएफ नागपुर के पुलिस उपअधीक्षक सुरेश कराडे, पुलिस उपनिरीक्षक अजय कारसरपे, जिला आपदा व्यवस्थापन अधिकारी राजन चौबे, सहायक पुलिस निरीक्षक अरविंद राऊत, जिला शोध व बचाव पथक प्रमुख किशोर टैंभूर्णे, नायब तहसीलदार नरेश बेदी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

गोंदिया के जिलाधिकारी दीपककुमार मीना का तबादला

शहर में खुशी का माहौल

गोंदिया के जिलाधिकारी दीपककुमार मीना का तबादला ३ जून को महाराष्ट्र शासन के अपर मुख्य सचिव सुजाता सोनिक द्वारा किया गया। उनकी नई नियुक्ति उपसचिव बहुजन समाज व अन्य मागास वर्ग विकास विभाग मंत्रालय मुंबई में उपसचिव के रुप में की गई है। उन्हें तत्काल अपना पद अतिरिक्त जिला अधिकारी गोंदिया को सौंप कर नया पद स्वीकार करने का आदेश दिया गया है।

गौरतलब है कि जिलाधिकारी दीपककुमार मीना ने १० सितंबर २०२० को तत्कालीन जिलाधिकारी कादंबरी बलकवड़े से अपना पदभार स्वीकार किया था। मात्र ९ महीने के कार्यकाल के दौरान जिलाधिकारी दीपककुमार मीना की कार्यप्रणाली हमेशा विवादों में ही रही है। चाहे जिलाधिकारी बंगले के विस्तारीकरण के कार्य में बिना मंजूरी के दबाव में कार्य करवाना हो, चाहे जिला नियोजन समिति में पत्रकारों को आमंत्रित कर प्रवेश न देकर अपमानित करने का मामला हो, कड़क लॉकडाऊन के समय शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण के नाम पर गरीबों की दुकानें हटवाने का मामला हों, चाहे पूरे जिला प्रशासन के अधीनस्थ कर्मचारियों को विभिन्न कारणों से परेशान करने के साथ ही जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा करना भी उन पर भारी पड़ गया। अन्य कई कारणों से गोंदिया जिले में विवादास्पद कलेक्टर के रुप में अपनी पहचान बनाने वाले जिलाधिकारी दीपककुमार मीना का मात्र ९ महीने में ही तबादला हो गया है।

जिलाधिकारी दीपककुमार मीना के तबादले की खबर पूरे शहर व संपूर्ण शासकिय विभागों में आग की तरह फैल गई। उनके तबादला होने से सभी वर्गों में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। गोंदिया जिले के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी जिला अधिकारी के तबादले पर संपूर्ण प्रशासन, नागरिक व जनप्रतिनिधियों में खुशी की लहर है।

धान रखने शासकीय इमारतों का होगा अधिग्रहण

अन्न आपूर्ति विभाग ने दिया निर्देश । प्रफुल पटेल के प्रयासों को मिली सफलता

गोंदिया-भंडारा जिले में रबी मौसम के धान की खरीदी की मंजूरी की गई थी। १९ मई के शासनादेश के अनुसार खुले में धान की खरीदी नहीं करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके चलते अनेक शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्रों में गोदाम के अभाव में खरीदी थम गई थी। जिसके लिए सांसद प्रफुल पटेल ने पहल कर अन्न व नागरिक आपूर्ति विभाग के माध्यम से शासकीय इमारतों को अधिग्रहण करने की मांग की थी। जिसके पश्चात अन्न आपूर्ति विभाग द्वारा २ जून को जारी किए गए आदेशानुसार जिन स्थानों में धान खरीदी कर रखने के लिए गोदाम उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे स्थानों पर शासकीय संस्थाओं की इमारतों का अधिग्रहित कर धान खरीदी शुरु करने का आदेश जिला अधिकारी को दिया गया है। जिसके चलते अब धान खरीदी का मार्ग खुल गया है।

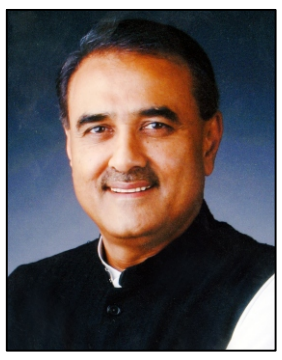

रबी मौसम २०-२१ में धान खरीदी के लिये १ मई से ३० जून तक की कालावधी तय की गई। जिसके अनुसार १ मई से धान खरीदी केंद्र शुरु होना जरुरी था। किंतु जिले में धान मिलिंग का कार्य शुरु न होने से धान उठाया ही नहीं गया। जिससे सभी गोदाम हाउसफुल हो गए है। इस कारण रबी मौसम में खरीदे गए धान का संग्रहण कहां करें? यह एक बड़ा प्रश्न निर्माण हो गया। साथ ही अन्न नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा १९ मई को जारी किए गए आदेश के अनुसार खुले में धान खरीदी नहीं की जा सकती थी। इस कारण अनेक आधारभूत केंद्रों में तथा विभाग की तकनीकी परेशानियों के चलते ठीक ढंग से खरीदी शुरु नहीं हुई थी। जिसके चलते जिले के किसानों को काफी परेशानियां हो रही थी। इसे देखते हुए सांसद पटेल ने अन्न व नागरी आपूर्ति विभाग के मंत्री छगन भुजबल से प्रत्यक्ष भेंट व पत्र व्यवहार के माध्यम से पर्यायी गोदामों की व्यवस्था करने का निवेदन किया था। जिसे मान्य करते हुए विभाग द्वारा आश्रम शाला, क्रीड़ा संकुल की इमारत, खाली पड़ी पाटबंधारे विभाग की इमारत, सार्वजनिक बांधकाम विभाग या अन्य शासकीय संस्था की इमारतें गोदाम के रुप में अधिग्रहित कर धान संग्रहण की व्यवस्था की जाए, ऐसा आदेश सभी जिला अधिकारियों को दिया गया है। जिससे गोदाम की समस्या का हल हो जाने के चलते धान खरीदी का मार्ग खुल गया है। जिससे अब जिन किसानों का ऑनलाइन पंजीयन हो चुका है, उन्हें समयसारणी के अनुसार धान खरीदी शुरु करने की सूचना दी गई है। जिले के किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए सांसद पटेल हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं, जिसके चलते किसानों में आशा की लहर जाग गई है।

झारखंड से फरार आरोपीयों को गोंदिया में दबोचा

गोंदिया – झारखंड राज्य के ग्राम देवीपुर जिला देवघर निवासी बलात्कार के तीन आरोपी हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस से फरार हो रहे थे। जिन्हें गोंदिया रेलवे पुलिस व रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संयुक्त अभियान चलाते हुए धरदबोच कर झारखंड पुलिस के सुपुर्द किया गया।

गौरतलब है कि झारखंड राज्य के ग्राम देवीपुर जिला देवघर पुलिस द्वारा गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल को फोन पर सूचना दी गयी कि ट्रेन क्रमांक ०२८३४ हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस में टाटानगर से सूरत की ओर बलात्कार के तीन आरोपी जिन पर भादवि की धारा ३६३, ३७६, १२०(ब), ३४ व बाल लैंगिक अत्याचार कानून की धारा ४ के तहत मामला दर्ज है, भाग रहें हैं। जिनमें आरोपी राजेश भीम मंडल (२१), राधेश्याम उर्फ लेखो लक्ष्मण मंडल (२४) तथा विजय बिरजू मंडल

(२०) सभी ग्राम सिरी पुलिस थाना देवीपुर निवासी है।

जानकारी प्राप्त होते ही रेलवे सुरक्षा बल गोंदिया एवं रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाते हुए प्लेटफार्म पर ट्रेन के पहुंचते ही तलाश शुरु की गयी। तीनों की पहचान होने पर उन्हें गोंदिया रेलवे स्टेशन पर उतारा गया। देवीपुर झारखंड पुलिस से पुष्टी करने के पश्चात आरोपियों को गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर जानकारी झारखंड पुलिस को दी गई। जिसके पश्चात ८ जून को झारखंड पुलिस के उपनिरीक्षक प्रेम प्रदीपकुमार यादव अपने स्टाफ के साथ गोंदिया पहुंचकर तीनों आरोपियों को अपनी हिरासत में लिया। उपरोक्त कार्रवाई रेलवे पुलिस के पुलिस अधीक्षक एस. राजकुमार, रेलवे सुरक्षा बल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पंकज चुघ, रेलवे पुलिस की अपर पुलिस अधीक्षक वैशाली शिंदे, सहायक मंडल सुरक्षा आयुक्त एस.डी. देशपांडे तथा रेलवे पुलिस के उपविभागीय पोलीस अधिकारी देशपांडे, एस.वी. शिंदे के मार्गदर्शन में गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी नंदबहादुर यादव, रेलवे पुलिस के सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप गोंडाने, सुरक्षा बल के पुलिस निरीक्षक अनिल पाटिल, रेलवे पुलिस के उपनिरीक्षक प्रवीण भिमटे, आरक्षक रायकवार, पी.दलाई, नासिर खान, लिल्हारे, दिव्या सिंह, ओमप्रकाश सेलौटे, नंदकिशोर नारनवरे, अखिलेश राय, चंदू भोयर द्वारा की गई।

कोरोना संक्रमित परिवारों को जिलाधिकारी ने दी सांत्वना भेंट

कोविड से जिन परिवारों में मौत हुई है, ऐसे परिवारों से शासकीय अधिकारी व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मिलकर दे सांत्वना – जिलाधिकारी राजेश खवले

गोंदिया – कोरोना संक्रमण के दौरान परिवार के प्रमुख व्यक्ति की मौत हो जाने के चलते सामाजिक भय का निर्माण होकर परिवार की मानसिक स्थिति डगमगा गयी है। प्रशासन द्वारा ऐसे परिवारों को सांत्वना भेंट देकर उनकी मानसिक स्थिति को बल देने का कार्य किया जा रहा है। नागरिकों के मन का डर कम किया जा सके इसके लिये गोंदिया तहसील के ऐसे परिवारों से जिलाधिकारी राजेश खवले ने सांत्वना भेंट देकर उन्हें मानसिक आधार प्रदान किया। कोविड-१९ संकट के दौरान गोंदिया जिले में अब तक ६९३ नागरिकों की मौत हुई है। जिसमें अधिकांश परिवारों में परिवार प्रमुख जो परिवार का आधार थे, उनकी मौत हो जाने से ऐसे परिवारों पर भारी संकट आन पड़ा है। ऐसे परिवारों के सदस्यों से शासकीय अधिकारी, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से जिस भी प्रकार की सहायता की जा सकती है, करनी चाहिए। नहीं तो कम से कम उन परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दें। जिससे उनका मनोबल बढ़ सके। ऐसा आव्हान जिलाधिकारी राजेश खवले ने किया है।

जिलाधिकारी तथा उनके सहयोगियों द्वारा मुलाकात कर उन्हें सांत्वना देकर उनका मनोबल बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। कुछ परिवारों में परिवार के आधार स्तंभ की मौत हो जाने से ऐसे परिवारों पर विभिन्न प्रकार के संकट निर्माण हो गए हैं। उन सभी परिवारों को शासन के माध्यम से जो भी योजना का लाभ दिया जा सकता है उसके लिए जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले के सभी प्रशासकीय अधिकारी एवं सामाजिक संगठनों से जिलाधिकारी ने आवाहन किया गया है कि ऐसे संकटग्रस्त परिवारों को किस प्रकार मदद की जा सकती है, इस पर विचार कर उन परिवारों की सहायता अपने-अपने स्तर पर की जाए। कम से कम ऐसे परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना देकर उनका मनोबल बढ़ाने का प्रयास तो करना चाहिए।

ओबीसी आरक्षण खत्म, भाजपा का आक्रोश आंदोलन

गोंदिया – महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी सरकार की नाकामी के चलते राज्य में ओबीसी आरक्षण को रद्द किया गया है। जिसके विरोध में भाजपा द्वारा गुरुवार ३ जून को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष आक्रोश आंदोलन कर ज्ञापन देते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में ओबीसी समाज को आरक्षण दिया गया था। जिसे न्यायालय द्वारा रद्द कर दिया गया है। न्यायालय द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने व भाजपा द्वारा इस संदर्भ में पहल किए जाने के बावजूद महाविकास आघाडी सरकार द्वारा आयोग की स्थापना भी नही की गयी गौर न ही सर्वोच्च न्यायालय में समय की मांग की गयी। यदि सरकार द्वारा लापरवाही न बरतते हुए समय पर कदम उठाए जाते तो आरक्षण रद्द करने की स्थिति नहीं आती। इस प्रकार का आरोप विधायक परिणय फुके द्वारा महाविकास आघाडी सरकार पर लगाया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में पूर्व मुख्यमंत्री व विरोधी पक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने ५ बार सरकार को पत्र दिया है। किंतु हमेशा की तरह ही सरकार निष्क्रिय रही। जिसके चलते राज्य में ओबीसी समाज को दिया गया आरक्षण रद्द हुआ। जनगणना के बिना आरक्षण नहीं मिलेगा, ऐसा कहकर मुद्दे से भटकाया भी गया है। आरक्षण की आवश्यकता क्यों है? यह सिद्ध करने के लिए एम्पिरिकल डाटा तैयार करना आवश्यक था। जिसके लिए भी फडणवीस द्वारा राज्य सरकार से निरंतर पत्र व्यवहार कर दस्तावेज उपलब्ध करवाए गए थे। किंतु डाटा तैयार करने के लिए सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग आयोग का पुनर्गठन नहीं किया गया। इस संदर्भ में सरकार किसी भी रुप में गंभीर दिखाई नहीं दे रही है। ऐसा आरोप परिणय फुके द्वारा लगाया गया। राज्य के ओबीसी मंत्रालय द्वारा ओबीसी समाज को दिशा भूल कर समाज के साथ विश्वासघात करने वाले तथा स्वयं को ओबीसी समाज के नेता कहने वाले नाना पटोले व ओबीसी मंत्री अब मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं। ऐसे लापरवाह नेताओं को अपना त्यागपत्र दे देना चाहिए। आज ओबीसी समाज पर राज्य में आरक्षण पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो गया है। भविष्य में शिक्षा व नौकरी पर भी समस्या आने वाली है। जो ओबीसी समाज के खिलाफ षड़यंत्र हैं, जिसका भाजपा द्वारा निषेध किया जाता है। सरकार द्वारा तत्काल पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना कर आरक्षण बचाने के प्रयत्न कर न्याय दिया जाए। अन्यथा बहुजन समाज के लाखों नागरिकों द्वारा मोर्चा निकालकर मार्ग पर उतरने की चेतावनी फुके द्वारा दी गई। उन्होंने अपनी उपरोक्त मांगों का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा।

जननेता स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे की स्मृति दिन पर आयोजित आंदोलन की शुरुआत सर्वप्रथम उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। इस अवसर पर सांसद सुनील मेंढ़े, भाजपा जिला अध्यक्ष केशवराव मानकर, विधायक विजय रहांगडाले, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत पटले, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, संपर्क प्रमुख वीरेंद्र अंजनकर, संजय कुलकर्णी, लायकराम भंडारकर, ओबीसी जिला अध्यक्ष उमाकांत ढगे, चामेश्वर गहाने, रचना गहाने, ओम कटरे, नप सभापति जितेंद्र पंचबुद्धे, संजय टेंभरे, शहर अध्यक्ष सुनील केलनका, चित्रलेखा चौधरी, खुमेंद्र मेंड़े, राजेश बांते, गिरधारी हत्तीमारे, संजय मुरकुटे, बाबा बिसेन, रचना वकेकार, धनेश्वरी चौधरी, रामलाल मुंगनकर, योगराज रहांगडाले, राजेश कठाने, गोल्डी गावनडे, विलास बागड़कर, मनोज पटनायक, पुरुषोत्तम ठाकरे, राजेश नागरीकर, धर्मेंद्र डोहरे व बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकिय

चुनौती का सामना

हमारा देश महामारी की जैसी चुनौती का सामना कर रहा है, उससे निपटने के लिए इलाज के तौर पर दी जाने वाली दवाओं और टीके का विकल्प जरुर है, लेकिन फिलहाल इस मोर्चे की सीमाओं के देखते हुए सबसे ज्यादा जरुरत इस बात की है कि लोगों को इससे बचाव के लिए जागरुक किया जाए।

यों सरकार अपनी ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत लोगों को कोरोना विषाणु से बचने के लिए मास्क लगाने से लेकर आपस में सुरक्षित दूरी बरतने जैसे कई उपाय करने को कह रही है, पूर्णबंदी जैसे सख्त नियम भी लागू किए गए हैं। मगर इस बीमारी की जैसी प्रकृति देखने में आई है, उसमें बचाव के उपायों को लेकर सजगता और निरंतरता ही सबसे जरुरी कारक साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार अगर ठोस कार्ययोजना के तहत इस दिशा में पहल करे तो स्थिति पर काबू पाने में कामयाबी मिल सकती है। जरुरत इस बात की है कि सरकार कुछ ऐसे कदम उठाए जिससे न केवल किसी खास इलाके, बल्कि सभी जगहों के लोगों के बीच इस बात की प्रतिस्पर्धा शुरु हो जाए कि इस महामारी से लड़ाई में वे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहते हैं।

जाहिर है, इसके लिए सरकार को अपनी ओर से लोगों को प्रोत्साहित करने जैसी पहल करनी होगी। शायद इसी की अहमियत को समझते हुए महाराष्ट्र सरकार ने यह घोषणा की है कि अगर कोई गांव खुद को कोरोना से पूरी तरह मुक्त करता है तो उसे पुरस्कृत किया जाएगा। **कोरोना मुक्त गांव** प्रतियोगिता के तहत पहले पुरस्कार के तौर पर पचास लाख रुपए, दूसरे विजेता को पच्चीस लाख और तीसरे स्थान वाले गांव को पंद्रह लाख रुपए दिए जाएंगे। इस राशि का इस्तेमाल संबंधित गांव के विकास कार्य में किया जाएगा। दरअसल, इस घोषणा के पहले भी महाराष्ट्र के कई गांव अपने स्तर पर ही कोरोना से बचाव के लिए प्रयास कर रहे थे।

राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कुछ गांवों के ऐसे प्रयासों की प्रशंसा भी की थी। शायद इसी आधार पर उन्हें लगा कि सरकारी अभियानों के समांतर अगर ग्रामवासी भी महामारी से लड़ने के अभियान में सक्रिय भागीदारी करें तो इस पर काबू पाना ज्यादा आसान होगा। इसलिए ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने के मकसद से इस प्रतियोगिता की घोषणा की गई, ताकि दूसरे गांव भी इस मसले पर जागरुक हों।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में है जो कोरोना के संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है। लेकिन इससे निपटने के लिए महाराष्ट्र में कई ऐसे ठोस उपाय भी किए गए, जिनकी प्रशंसा हुई। राज्य स्तर पर संक्रमण पर काबू पाने के व्यापक इंतजाम के अलावा राज्य के कई इलाकों में जनभागीदारी के लिए ठोस कार्ययोजना के तहत काम किया गया। यही वजह है कि कोरोना के संक्रमण के लिहाज से मुंबई के एक सबसे संवेदनशील माने जाने वाले एक इलाके धारावी ने देश और दुनिया के सामने एक मिसाल रखी कि अगर सुचिंतित तरीके से लोगों के साथ मिल कर काम किया जाए तो सबसे गंभीर चुनौती से भी पार पाया जा सकता है।

जांच और निगरानी से लेकर इलाज तक के मामले में जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से अभियान को अंजाम दिया गया, उसी का नतीजा है कि आज कोरोना से पार पाने के मामले में **धारावी मॉडल** का नाम अलग से लिया जाता है, जिसकी तारीफ विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व बैंक भी कर चुके हैं। इससे यही साबित होता है कि अगर सरकार और जनता ठोस योजना पर मिल कर काम करें, तो कोरोना जैसी मुश्किल महामारी का सामना करना भी आसान हो जाता है।

बिरसा मुंडा जन्मोत्सव

बिरसा मुंडा का जन्म १५ नवम्बर १८७५ के दशक में छोटा किसान के गरीब परिवार में हुआ था। मुंडा एक जनजातीय समूह था जो छोटा नागपुर पठार (झारखण्ड) निवासी था। बिरसा जी को १९०० में आदिवासी लोंगो को संगठित देखकर ब्रिटिश सरकार ने आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया तथा उन्हें २ साल की सजा दी गई थी। और अंत में ९ जून १९०० को लगभग सुबह ८ बजे में अंग्रेजो द्वारा उन्हें जहर देने के कारण उनकी मौत हो गई।

आरंभिक जीवन

इनका जन्म मुंडा जनजाति के गरीब परिवार में पिता सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता करमी पुर्ती (मुंडाईन) के सुपुत्र बिरसा पुर्ती (मुंडा) का जन्म १५ नवम्बर १८७५ को झारखण्ड के खुटी जिले के उलीहातु गाँव में हुआ था। साल्गा गाँव में प्रारम्भिक पढाई के बाद वे चाईबासा जी.ई.एल.चार्च (गोस्नर एवंजिलकल लुथार) विधालय में पढ़ाई किया था। इनका मन हमेशा अपने समाज की यूनाइटेड किंगडम/ब्रिटिश शासकों द्वारा की गयी बुरी दशा पर सोचते रहते थे। उन्होंने मुण्डा/मुंडा लोगों को अंग्रेजों से मुक्ति पाने के लिये अपना नेतृत्व प्रदान किया। १८९४ में मानसून के छोटा नागपुर पठार, छोटा नागपुर में असफल होने के कारण भयंकर अकाल और महामारी फैली हुई थी। बिरसा ने पूरे मनोयोग से अपने लोगों की सेवा की।

मुंडा विद्रोह का नेतृत्व

१ अक्टूबर १८९४ को नौजवान नेता के रुप में सभी मुंडाओं को एकत्र कर इन्होंने अंग्रेजो से लगान (कर) माफी के लिये आन्दोलन किया। १८९५ में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हजारीबाग केन्द्रीय कारागार में दो साल के कारावास की सजा दी गयी। लेकिन बिरसा और उसके शिष्यों ने क्षेत्र की अकाल पीड़ित जनता की सहायता करने की ठान रखी थी और जिससे उन्होंने अपने जीवन काल में ही एक महापुरुष का दर्जा पाया। उन्हें उस इलाके के लोग **धरती बाबा** के नाम से पुकारा और पूजा करते थे। उनके प्रभाव की वृद्धि के बाद पूरे इलाके के मुंडाओं में संगठित होने की चेतना जागी।

विद्रोह में भागीदारी और अन्त

१८९७ से १९०० के बीच मुंडाओं और अंग्रेज सिपाहियों के बीच युद्ध होते रहे और बिरसा और उसके चाहने वाले लोगों ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था। अगस्त १८९७ में बिरसा और उसके ४०० सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूँटी थाने पर धावा बोला। १८९८ में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेज सेनाओं से हुई। जिसमें पहले तो अंग्रेजी सेना हार गयी, लेकिन बाद में इसके बदले उस इलाके के बहुत से आदिवासी नेताओं की गिरफ्तारियां हुई।

जनवरी १९०० डोम्बरी पहाड़ पर एक और संघर्ष

हुआ था, जिसमें बहुत-सी औरतें व बच्चे मारे गये थे। उस जगह बिरसा अपनी जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। बाद में बिरसा के कुछ शिष्यों की गिरफ्तारियाँ भी हुई। अन्त में स्वयं बिरसा भी ३ मार्च १९०० को चक्रधरपुर में गिरफ्तार कर लिये गये। बिरसा ने अपनी अन्तिम साँसें ९ जून १९०० को आंग्रेजों द्वारा जहर देकर मार गया। १९०० को राँची कारागार में लीं। आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुण्डा को भगवान की तरह पूजा जाता है।

बिरसा मुण्डा की समाधि राँची में कोकर के निकट डिस्टिलरी पुल के पास स्थित है। वहीं उनका स्टेच्यू भी लगा है। उनकी स्मृति में रांची में बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारागार तथा बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र भी है।

मुंडा विद्रोह

मुंडा आदिवासीयों ने १८वीं सदी से लेकर २०वीं सदी तक कई बार अंग्रेजी सरकार और भारतीय शासकों, जमींदारों के खिलाफ विद्रोह किये। बिरसा मुंडा के नेतृत्व में १९वीं सदी के आखिरी दशक में किया गया मुंडा विद्रोह १९वीं सदी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण जनजातीय आंदोलनों में से एक है। इसे उलगुलान (महान हलचल) नाम से भी जाना जाता है। मुंडा विद्रोह झारखण्ड का सबसे बड़ा और अंतिम रक्ताप्लावित जनजातीय विप्लव था, जिसमे हजारों की संख्या में मुंडा आदिवासी शहीद हुए। मशहूर समाजशास्त्री और मानव विज्ञानी कुमार सुरेश सिंह ने बिरसा मुंडा के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन पर **बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन** नाम से बडी महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी है।

विद्रोह की पृष्ठभूमि

बिरसा मुंडा ने मुंडा आदिवासियों के बीच अंग्रेजी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लोगों को जागरुक करना शुरु किया। जब सरकार द्वारा उन्हें रोका गया और गिरफ्तार कर लिया तो उन्होंने धार्मिक उपदेशों के बहाने आदिवासियों में राजनीतिक चेतना फैलाना शुरु किया। वह स्वयं को भगवान कहने लग गया। उसने मुंडा समुदाय में धर्म व समाज सुधार के कार्यक्रम शुरु किये और तमाम कुरीतियों से मुक्ति का प्रण लिया।

विद्रोह और उसके बाद

१८९८ में डोम्बरी पहाडियों पर मुंडाओं की विशाल सभा हुई, जिसमें आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार हुई। आदिवासियों के बीच राजनीतिक चेतना फैलाने का काम चलता रहा। अंत में २४ दिसम्बर १८९९ को बिरसापंथियों ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध छेड दिया। ५ जनवरी १९०० तक पूरे मंडा अंचल में विद्रोह की चिंगारियां फैल गई। ब्रिटिश फौज ने आंदोलन का दमन शुरु कर दिया। ९ जनवरी १९०० का दिन मुंडा इतिहास में अमर हो गया जब डोम्बार पहाडी पर अंग्रेजों से लडते हुए सैंकडों मुंडाओं ने शहादत दी। आंदोलन लगभग समाप्त हो गया। गिरफ्तार किये गए मुंडाओं पर मुकदमे चलाए गए, जिसमें एक को फांसी, ३९ को आजीवन कारावास, २३ को चौदह वर्ष की सजा हुई।

बिरसा की गिरफ्तारी और अंत

बिरसा मुंडा काफी समय तक तो पुलिस की पकड़ में नहीं आये थे, लेकिन एक स्थानीय गद्दार की वजह से ३ मार्च १९०० को गिरफ्तार हो गए। लगातार जंगलों में भूखे-प्यासे भटकने की वजह से वह कमजोर हो चुके थे। जेल में उन्हे हैंजा हो गया और ९ जून १९०० को रांची जेल में उनकी मृत्यु हो गई। लेकिन जैसा कि बिरसा कहते थे, आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं, बिरसा के विचार मुंडाओं और पूरी आदिवासी कौम को संघर्ष की राह दिखाते रहे। आज भी आदिवासियों के लिए उनका सबसे बड़ा स्थान है।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष १९७२ में की थी। इसे ५ जून से १६ जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरु किया गया था। ५ जून १९७४ को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

इतिहास

वर्ष १९७२ में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव पर्यावरण विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा का आयोजन किया गया था। इसी चर्चा के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस का सुझाव भी दिया गया और इसके दो साल बाद, ५ जून १९७४ से मनाना भी शुरु कर दिया गया। १९८७ में इसके केंद्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग अलग देशों को चुना जाता है। इसमें हर साल १४३ से अधिक देश हिस्सा लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक लोग पर्यावरण की सुरक्षा, समस्या आदि विषय पर बात करते हैं।

महत्व

पर्यावरण को सुधारने हेतु यह दिवस महत्वपूर्ण है जिसमें पूरा विश्व रास्ते में खड़ी चुनौतियों को हल करने का रास्ता निकालता हैं। लोगों में पर्यावरण जागरुकता को जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन है। इसका मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरुकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को देखना है।

इस आयोजन को प्रति वर्ष मनाए जाने के निम्नलिखित उद्देश्य हैं–

१. पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के बारे में आम जनता के बीच जागरुकता फैलाने के लिए।
२. सतत और पर्यावरण के अनुकूल विकास बनने के लिए समाज एवं समुदायों में रहने वाले लोगों को इस अभियान में सक्रिय प्रतिनिधियों के तौर पर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना।
३. विश्व स्तर पर इसे एक सफल अभियान बनाने के लिए पूरे विश्व के लोगों का सहयोग प्राप्त करना।
४. इस अभियान की बेहतर शुरुआत के लिए आसपास के क्षेत्रों में सफाई के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए।

विश्व पर्यावरण दिवस, पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विचार करने एवं पर्यावरण जुड़ी समस्याओं का हल निकालने के लिए विशेष रुप से मनाया जाता है। इसे पर्यावरण दिवस, ईको डे या डब्ल्यूईडी के तौर पर भी जाना जाता है। यह एक महान वार्षिक आयोजन है जिसके दौरान हम पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं और उन्हें पूरी तरह से हल करने की कोशिश करते हैं। यह अवसर वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से बहुत सारे रचनात्मक गतिविधियों के साथ दुनिया भर में मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने के पीछे हमारा यही उद्देश्य होता है कि हम पृथ्वी पर प्राकृतिक पर्यावरण की हर संभव रक्षा करें ताकि स्वस्थ जीवन की संभावना पृथ्वी पर हमेशा बनी रहे।

इस वार्षिक उत्सव को संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक थीम (विषय) के अनुसार मनाया जाता है। पहली बार इसका आयोजन १९७३ में **केवल एक पृथ्वी** थीम के साथ किया गया था। इस उत्सव के दौरान पर्यावरण को बचाने के लिए प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रदत्त विषय के अनुसार कुछ नई एवं प्रभावी योजनाओं को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

दुनिया भर में तकनीकी विकास की खुशी में, हम यह भूल गए कि हम विकास के साथ बहुत कुछ खो रहे

हैं। विकास की गतिविधियों ने हमें प्रकृति से दूर कर दिया हैं और हमारे कई प्राकृतिक धरोहर समाप्त हो गए है। क्या आप जानते हैं कि हमारी गलतियों की वजह से हमारे कई पसंदीदा खाद्य पदार्थ के भी धरती से विलुप्त होने की भविष्यवाणियां की जा रही है? बस हमारी गलतियों जैसे कि बिजली का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, औद्योगीकरण, सीवेज का सीधे नदियों एवं नहरों में निपटान, पोलिथीन का हानिकारक अविष्कार एवं इस्तेमाल आदि द्वारा पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुंच रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष ५ जून को हमारी इन्हीं गलतियों को समझने एवं उनके बुरे प्रभाव को बेअसर करने के उद्देश्य से सकारात्मक कदम उठाने की दिशा में प्रयास करने के उद्देश्य से पूरे विश्व में मनाया जाता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार निकट भविष्य में मानव-प्रेरित पर्यावरण परिवर्तन की वजह से दो-तिहाई से भी अधिक वनस्पतियां व जीव विलुप्त हो जाएंगे। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि निकट भविष्य में कॉफी, किंग मकई, चॉकलेट एवं कई समुद्री भोजन विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके है।

उच्च तापमान, बदलता हुआ मौसम एवं घटती हुई पानी की आपूर्ति की वजह से ये पौधे अस्वस्थ हो रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से जलीय जीवों की कई प्रजातियां, मछलियां आदि सभी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके हैं। वनों की बेहिसाब कटाई की वजह से कई प्रजातियों के पौधे आदि विलुप्त होने वाले हैं।

हमें जलवायु परिवर्तन की दर को कम करने एवं भविष्य में पृथ्वी पर बेहतर जीवन के लिए कई प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। आवश्यकता है कि हम कम प्रयोग, पुन: प्रयोग और रीसायकल पर ध्यान दें ताकि प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के बिगड़ते हुए हालात को हम नियंत्रण करने में सफल हो सकें। हमें छोटे-छोटे ही सही लेकिन कई कदम उठाने की आवश्यकता है जैसे अकार्बनिक खाद्य पदार्थों के बजाए जैविक खाद्य पदार्थों का सेवन, रासायनिक उर्वरकों के बजाए प्राकृतिक उर्वरकों का उपयोग, बिजली के उपयोग को कम करना, वनों की कटाई पर रोक, वन्य पशुओं की रक्षा आदि से संबंधित प्रभावी कदम उठाने होंगे। हमारे सकारात्मक कदम निकट भविष्य में पर्यावरण से संबंधित मुद्दों को सुलझाने में मददगार साबित होंगे।

वन्यजीवों के व्यापार ने वन्य जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाला है और जानवरों की कुछ प्रजातियां तो कई देशों में विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। वन्यजीवों के व्यापारी कई वर्षों से लगातार धन कमा रहे हैं लेकिन वे प्रकृति का कोष खाली करते जा रहे है।

हमें कला, शिल्प प्रदर्शनियों, फिल्म समारोहों, सामाजिक मीडिया, आदि के माध्यम से पर्यावरण के मुद्दों के समाधान करने से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए। हमें हमारे वातावरण में क्या गलत हो रहा है इस बारे में जागरुक होना चाहिए और जहां तक हो सके अपने आसपास के इलाकों में वन्य जीवों से संबंधित अपराधों को रोकने का प्रयास करना चाहिए। एक परिवार के कई सदस्य घर चलाने के उद्देश्य से पैसे कमाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। हम सभी लोग पृथ्वी रुपी घर में रहते हैं जिसकी छत पर्यावरण है। हमें इन दोनों का ख्याल रखना चाहिए क्योंकि हमारा जीवन स्वस्थ एवं सुरक्षित तभी होगा जब पृथ्वी हरी-भरी हो जाएगी एवं वातावरण स्वच्छ हो जाएगा।

एक ही धरती, एक ही पर्यावरण और जीवन भी एक ही है, इसलिए इसे जियो, बर्बाद मत करो।

हम पृथ्वी पर रहते हैं तो इस प्रकार पृथ्वी हमारा पहला घर है। अपने अलग-अलग घरों के बारे में भूल जाओ और पृथ्वी जो हमारा संयुक्त घर उस पर अपना ध्यान केंद्रित करो। हमें पृथ्वि को साफ-सुथरा, हरा-भरा एवं अपराध मुक्त रखना चाहिए ताकि यहां का वातावरण हमें पोषण प्रदान कर सके न कि हमारे लिए परेशानी पैदा करे।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : शादीयोग्य लोगों को मनपसंद जोड़ीदार मिलने की उम्मीद है। कोई एडवेंचर्स ट्रिप आपको थका सकती है। पढ़ाई के क्षेत्र में अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। किसी मानसिक बोझ से जल्द ही छुटकारा मिलने की संभावना है।

वृषभ : आप वैकेशन के मूड में हैं और किसी खूबसूरत जगह जाने की योजना बना सकते हैं। प्रोफेशनल स्तर पर किया गया कोई वादा पूरा करने में सफल रहेंगे। पढ़ाई के क्षेत्र में कोई सुनहरा मौका आपका इंतजार कर रहा है। परिवार और दोस्तों के साथ कुछ रोमांचक प्लान बनेंगे।

मिथुन : साफ-सफाई के प्रति सजग रहें। किसी अधूरे काम की वजह से ऑफिस में ज्यादा वक्त देना पड़ सकता है। किसी गोपनीय बात को लेकर दृढ़ रहना होगा। कोई आपको पर्यटक स्थल पर साथ चलने के लिए प्रेरित कर सकता है।

कर्क : किसी खास के घर आने से परिवार में उत्साह का माहौल रहने की संभावना है। लोन लेने में कोई व्यवधान नहीं रहेगा। प्रोफेशनल स्तर पर लंबी छलांग लगाए जाने की उम्मीद है, तैयार रहें। प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट बढ़ाने में सफल रहेंगे।

सिंह : आमदनी बढ़ने की संभावना है। सैलरी पर काम करने वालों को अतिरिक्त सुविधा मिलने की उम्मीद है। कोई समस्या सुकून छीन ले, इससे पहले उसे हल कर लेना आवश्यक होगा। किसी शारीरिक समस्या से परेशान लोगों को जल्द ही राहत मिल सकती है।

कन्या : नवविवाहितों के बीच आपसी रिश्ते मजबूत रहेंगे। आप में से कुछ लोग नए घर में शिफ्ट हो सकते हैं। कोई महंगा उपकरण खरीदने में सक्षम होंगे। निवेश के मामले में किसी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होने वाली है। लवर के साथ रोमांटिक शाम बिताए जाने की उम्मीद है।

तुला : एक छोटी सी यात्रा से बड़ा बदलाव महसूस करेंगे। करियर को लेकर स्पष्ट सोच बनाने की जरुरत है। पढ़ाई में फोकस बनाए रखना आसान होगा। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा सरप्राइज आपका इंतजार कर रहा है। पैसे और खरीददारी के मामले में जल्दबाजी सही नहीं होगी।

वृश्चिक : अच्छे बार्गेनिंग स्किल की बदौलत किसी डील को पाने में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में अपने काम की गति बनाए रखने में सक्षम रहेंगे। करीबी लोगों और दोस्तों के लिए आयोजन किए जाने की संभावना है। खास जगह जाना व लोगों से मिलना आपको प्रसन्न रखेगा।

धनु : किसी परियोजना को लेकर मानसिक व्यस्तता रहेगी। किसी की सलाह मानकर निवेश करने से बचें। किसी सामाजिक काम से जुड़ने की संभावना है। घर में किसी पार्टी या समारोह के आयोजन में व्यस्त रहने के संकेत हैं।

मकर : प्रेमी अपने किए हुए वादे से मुकर सकता है। आप में से कुछ लोगों को ऑफिशियल ट्रिप पर जाना पड़ेगा। किसी गलत निवेश के कारण आर्थिक स्तर पर परेशानी रहने की आशंका है। प्रोफेशनल क्षेत्र में आपकी जिम्मेदारी बढ़ने की उम्मीद है।

कुंभ : बाहर रहने वाले किसी पारिवारिक सदस्य से मिलने जाने की उम्मीद है। लव लाइफ में रोमांच बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी दक्षता से किसी मुश्किल काम को पूरा कर सकेंगे। किसी नए वेंचर से जल्द ही आमदनी आने की शुरुआत हो सकती है।

मीन : पेशेवर जीवन में परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी और सहकर्मी आपकी सहायता के लिए आगे आएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। सोशल सर्कल में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। दोस्तों के साथ समय व्यतीत करना आपकी सेहत के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

धान की बुवाई करने के पूर्व बीज की प्रक्रिया अवश्य करें - उपविभागीय कृषि अधिकारी

गोंदिया जिले में खरीफ मौसम के लिए धान प्रमुख फसल है। जिले में करीब २ लाख हेक्टर क्षेत्र में धान की फसल ली जाती है। वर्तमान समय में राज्य में मानसून का आगमन हो चुका है तथा जल्द ही जिले में बारिश शुरु होंगी। जिसमें धान के रोपे तैयार करने के लिए किसानों द्वारा रोपवाटिका तैयार करने की दृष्टि से बीजों को जमा किया जाता है। लेकिन किसान बीज की प्रक्रिया करने में उतने सजग नहीं दिखाई देते। जिसके चलते धान की फसल पर आगे करपा, कड़ाकरपा, मानमोड़ी आदि रोगों से धान की फसल पर लग जाते हैं। फसल का बचाव करने के लिए बीज प्रक्रिया का अत्यंत महत्व है। जैविक खाद से बीज की प्रक्रिया किए जाने पर धान के उत्पादन में भारी बढ़ोतरी होती। इस प्रकार बिजाई की प्रक्रिया अत्यंत कम खर्च में कर रोगों से फसल का संरक्षण कर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। बिजाई की प्रक्रिया करने से फसल के संरक्षण में होने वाले खर्च में भी बचत होती है तथा उत्पादन खर्च में कमी आती है।

धान की बिजाई को सर्वप्रथम ३प्रश नमक के पानी में बीज प्रक्रिया करनी चाहिए। जिसके लिए १० लीटर पानी में ३०० ग्राम नमक डालकर उसका घोल तैयार करें, जिससे पानी की घनत्व

बढ़ता है। फिर इस द्रव्य में धान के बीजों को भीगो देना चाहिए। घोल के स्थिर होने पर खोखले व बीमारी फैलाने वाले तथा हल्के बीज पानी की सतह पर तैरने लगते हैं तथा भारी व सशक्त बीज पानी की तलहटी में जमा हो जाते हैं। ऊपर तैरने वाले खराब बीजों को चलनी की सहायता से निकाल कर नष्ट कर देना चाहिए। जिससे इन खराब बीजों से रोगों का प्रसार नहीं होगा। नीचे जमा बीजों को नमक के पानी से अलग कर स्वच्छ पानी से दो से तीन बार धोने के पश्चात बुवाई के पूर्व ३ ग्राम प्रति किलो के अनुपात में बुरसी नाशक थायरम से बीज की प्रक्रिया की जानी चाहिए। एजोटोबेक्टर या जीवाणु खाद में २५ ग्राम प्रति किलो बीज इस प्रमाण में बीज प्रक्रिया करना चाहिए। जिसके चलते उपरोक्त बीज स्थिर होकर फसल के लिए तैयार होगा। एजोटोबेक्टर के अलावा नत्र स्फुरद व पलाश को जमा कर दृव्य तैयार कर जीवाणु संघ १०० मिली मीटर प्रति १० किलो धान बिजाई के प्रमाण में बीज प्रक्रिया के लिए उपयोग किया जा सकता है। शासन के कृषि विभाग के जैविक कीट नियंत्रण प्रयोगशाला में इस प्रकार का दृव्य जीवाणु संघ का उत्पादन कर किसानों को किफयती दरों में उपलब्ध करवाया जाता है। जीवाणु खाद द्वारा बीज प्रक्रिया किए जाने से धान के उत्पादन में काफी बढ़ोतरी होती है।

धान की फसल के लिए अत्यंत कम खर्च में रोगों पर प्रभावी नियंत्रण व उत्पादन बढ़ाने के लिए धान की बिजाई को बुवाई के पूर्व प्रक्रिया करना अत्यंत आवश्यक है। जिसके लिए कृषि विभाग के माध्यम से ग्रामस्तर पर धान की बिजाई प्रव्रिया प्रत्यक्षीकरण व मार्गदर्शन बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाता है। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होकर बीज प्रक्रिया की प्रणाली को समझकर तथा मार्गदर्शन लेकर बीज प्रक्रिया की सामग्री की उपलब्धता के लिए अपने ग्राम के कृषि सहायक से संपर्क करने का आवाहन उपविभागीय कृषि अधिकारी भीमाशंकर पाटील ने की है।

ऑनलाइन उद्योजकता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

गोंदिया – महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र द्वारा सुशिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए गोंदिया में १० दिनों का ऑनलाइन उद्योजकता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रकल्प अहवाल, उद्योजक गुण संपदा, सफलतम उद्योजकों के अनुभव, अपने कार्य के लिए किससे व कैसे संपर्क करें, उद्योग शुरु करने के विभिन्न चरण, विविध उद्योगों के अवसर, सेवा उद्योग, लेदर प्रोडक्ट, प्लास्टिक, केमिकल, कृषि प्रक्रिया, अन्न प्रक्रिया, इंजीनियरिंग, आयात-निर्यात, पशुधन पर आधारित उद्योग, आईटी क्षेत्र से संबंधित उद्योग, उद्योजक ई-प्रेरणा, बाजार का निरीक्षण, तंत्र मार्केटिंग उद्योग, व्यवस्थापन आदि के संदर्भ में विस्तारपूर्वक जानकारी, शासन की विविध कर्ज योजना, अनुदान के संदर्भ में जानकारी आदि विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन किया जाएगा। साथ ही मार्केटिंग संभाषण कौशल्य, एकाउंटिंग, शासकीय योजना व अनुदान की जानकारी, बैंकों की कार्यपद्धति आदि विषय पर मार्गदर्शन किया जाएगा।

अधिक जानकारी व प्रवेश के लिए महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र के प्रकल्प अधिकारी संदीप जाने, बालाघाट रोड, गोंदिया से संपर्क किया जा सकता है।

सभी लगवाएं कोरोना वैक्सीन
भारतीय बौद्ध महासभा ने किया आवाहन

संवाददाता खातिया – भारतीय बौद्ध महासभा तालुका शाखा गोंदिया की ओर से तालुका अंतर्गत आने वाले सभी सर्कल व ग्राम शाखा के सभी पदाधिकारी साथ ही सभी बौध्दबंधुओं से अपील की गई है कि कोरोना वैक्सीन के संबंध में जिन लोगों में भी विभिन्न प्रकार के गैर समझ है, उसे दूर कर शासन द्वारा स्वास्थ्य केंद्र पर दिए जाने वाली कोरोना वैक्सीन लगाए। ऐसी अपील भारतीय बौद्ध महासभा तालुका अध्यक्ष एन. एल. मेश्राम, महासचिव कोमलकुमार नंदागवली, कोषाध्यक्ष प्रफुल लांजेवार, उपाध्यक्ष मनोहर भावे, नरेन्द्र बोरकर, बाबूलाल गडपायले, महिला उपाध्यक्ष कंचना मेश्राम, लेखाजोखा अध्यक्ष लिखनदास नदांगवली, संस्कार सचिव सुनील गजभिए, संगठक राजकुमार गजभिए आदि पदाधिकारियों द्वारा की गई है।

कोरोना महामारी के इस संकट के समय में हम सभी को एकमत होकर शासन के दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन कर कोरोना को हराने के लिए शासन का सहयोग करना चाहिए। यही नहीं समय-समय पर दिए जाने वाले कोरोना वैक्सीन को लगाये और भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचें, मास्क का उपयोग करें, बार-बार हाथ धोये एवं आपस में सामाजिक दूरी बनाए रखें। उक्त आशय के विचार तालुका अध्यक्ष एन.एल. मेश्राम व्यक्त किये।

निजी चिकित्सालय में कोरोना का इलाज करा चुके मरीजों को जीवनदायी योजना का लाभ दिलाने के होंगे प्रयास - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया – कोरोना महामारी के शुरु होते ही मई २०२० में राज्य सरकार ने विशेष आदेश जारी कर राज्य के सभी निजी चिकित्सालयों में नागरिकों को इलाज के लिए महात्मा फुले जन स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत पात्र घोषित किया है। लेकिन किसी भी निजी चिकित्सालयों द्वारा मरीजों का उपचार जीवनदायी योजना, मेडिकल बीमा के अंतर्गत न करते हुए पीड़ितों से लाखों रुपए नगद वसूले गये। उच्च न्यायालय मुंबई की औरंगाबाद खंडपीठ ने भी मई २०२१ में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया है कि सभी निजी चिकित्सालयों में कोरोना का इलाज करवाएं मरीजों को जीवनदायी योजना का लाभ देने के निर्देश राज्य सरकार को दिए। लेकिन अब तक इस दिशा में सरकार द्वारा विशेष कदम नहीं उठाए गए। इसके चलते निजी चिकित्सालय में उपचार करवाएं मरीजों को जीवनदायी योजना का लाभ दिलवाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए पीड़ित मरीज न्यायालय में मामला दर्ज करने के लिए अस्पताल के बिल, आरटीपीसीआर रिपोर्ट, राशन कार्ड, आधार कार्ड की प्रतिलिपि के साथ जनसंपर्क कार्यालय में संपर्क करने का आव्हान पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने किया है।

इसके साथ ही पूर्व विधायक अग्रवाल ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को पत्र भेजकर निजी चिकित्सालय में इलाज करवा चुके कोरोना संक्रमित मरीजों को जीवनदायी योजना के अंतर्गत १,५०,००० का लाभ दिलवाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहां कि महामारी के समय जब शासकीय चिकित्सालयों में जगह उपलब्ध नहीं हो पा रही थी, तब संक्रमितों के परिजनों ने अत्याधिक खर्च कर निजी चिकित्सालयों में उपचार करवाया। जहां ऑक्सीजन सिलेंडर, रेमडेसीविर इंजेक्शन के लिए कालाबाजारी करने वालों ने लाखों रुपए वसूले। जिससे इन परिवारों पर भारी आर्थिक संकट निर्माण हो चुका है। इसलिए राज्य सरकार द्वारा सभी पीड़ितों को जीवनदायी योजना के अंतर्गत लाभ दिया जाए तथा गोंदिया जिले के निजी चिकित्सालय में उपचार करा चुके कोरोना संक्रमित मरीजों को जीवनदायी योजना का लाभ दिलाने के लिए उच्च न्यायालय के आदेशानुसार राज्य सरकार स्तर पर संघर्ष करने की तैयारी है। जिसके लिए कोरोना संक्रमित या उनके परिजन अस्पताल के बिल, आरटीपीसीआर रिपोर्ट, राशन कार्ड, आधार कार्ड की दो प्रतिलिपि लेकर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के गोंदिया स्थित जनसंपर्क कार्यालय में संपर्क करने का आवाहन शहर भाजपा अध्यक्ष सुनील केलनका ने किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिन पीड़ितों को उपचार के दौरान स्वस्थ्य बीमा पॉलिसी के तहत बीमा कंपनी या किसी अन्य संस्था से आर्थिक मदद मिली हो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

सभी नागरिक करवाएं टीकाकरण - राकेश ठाकुर

गौशाला वार्ड हनुमान मंदिर में १२० नागरिकों को लगाई गई वैक्सीन

गोंदिया – कोरोना संक्रमण महामारी से बचने के लिए सभी नागरिक कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण करवाएं, ऐसा आव्हान युवा नेता राकेश ठाकुर द्वारा किया गया। इसी अभियान के तहत मंगलवार ८ जून को सुबह १० से शाम ५ बजे तक गौशाला वार्ड, हनुमान मंदिर में विशेष मोबाइल वैन टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें गौशाला वार्ड के ४५ वर्ष से ऊपर की आयु के १२० नागरिकों को कोविशिल्ड वैक्सीन लगवाई गई। इस अभियान को सफल बनाने के लिए पार्षद शीलू राकेश ठाकुर द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। उपरोक्त वैक्सीनेशन अभियान युवा नेता राकेश ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें सीएमओ रुपाली खंडारकर, सिस्टर गायत्री पटले, सरिता तिवारी, मीणा गायधने, विशाखा कावड़े, यशवंता सहारे, रेखा पिल्लारे, अनीता शामृतवार ने विशेष सहयोग दिया।

लॉकडाउन में मिली छूट, जिले के सभी प्रतिष्ठान सोमवार से होंगे नियमित

गोंदिया – कोरोना के बढ़ते प्रभाव के चलते शासन ने लॉकडाउन जारी किया था। लेकिन अब गोंदिया जिले में संक्रमण की दर ५ प्रतिशत से कम पर होने के चलते लॉकडाउन में छूट दी गई है। जिससे सोमवार ७ जून से जिले के सभी बाजार, व्यापार प्रतिष्ठान व शासकीय, अर्ध सरकारी व निजी कार्यालय नियमित रुप से शुरु होंगे। कुछ प्रतिष्ठानों को नियमों का कड़ाई से पालन करने का प्रावधान है। रेस्टोरेंट, होटल, मॉल, सिनेमागृह, नाट्यगृह, सभी प्रकार के सार्वजनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम ५० प्रतिशत क्षमता के साथ ही शुरु रहेंगे। विवाह में अधिकतम १०० व्यक्ति तथा अंतिम संस्कार में २० व्यक्तियों की सीमा तय की गई है। व्यापार आदि शुरु करने के साथ ही कोरोना संक्रमण से बचाव के नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। जिसमें मास्क का इस्तेमाल, हैंडवास, सेनीटाइजर की व्यवस्था अनिवार्य है। उपरोक्त आदेश का पालन न करने वाले तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, संस्था व समूहों पर रोग प्रतिबंधक कानून १८९७, आपदा व्यवस्थापन अधिनियम २००५ तथा भारतीय दंड संहिता की धारा १८६० के तहत कार्यवाही की जाएगी।

नाना पटोले के जन्म दिवस पर

युवा नेता अशोक गुप्ता द्वारा शासकीय चिकित्सालय में भोजन वितरण

००४गोंदिया - महाराष्ट्र के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले के जन्म दिवस के अवसर पर कांग्रेस के युवा नेता अशोक (गप्पु) गुप्ता द्वारा शासकीय जिला चिकित्सालय केटीएस व शासकीय महिला चिकित्सालय बीजीडब्ल्यू में भोजन वितरण तथा हनुमान मंदिर सिविल लाईन के प्रांगण में फल वितरित किये गये । उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर अमर वराडे, जितेश राने, योगेश अग्रवाल, पप्पू पटले, राजीव ठकरेले, सूर्यप्रकाश भगत, नाजुक शेंडे, नीलम हलमारे, शैलेश बिसेन, सचिन मेश्राम, देवचंद बिसेन, गौरव बिसेन तथा बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक शिवस्वराज्य दिन जिले के विभिन्न स्थानों में उत्साह पूर्वक मनाया गया

शिवस्वराज्य दिन के माध्यम से युवा पीढ़ी को छत्रपति के इतिहास की मिलेंगी जानकारी – अंजू बिसेन

देवरी तहसील अंतर्गत आने वाले वड़ेगांव ग्राम पंचायत कार्यालय में शिवस्वराज्य दिन बड़े उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर सरपंच अंजू बिसेन में कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वतंत्र व सार्वभौम स्वराज्य की स्थापना की। उनके जीवन चरित्र को आदर्श मानकर युवा पीढ़ी उनके इस चरित्र को अपनाना चाहिए। स्वराज्य केवल एक जाति या धर्म का नहीं यह सभी का था। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर सरपंच अंजू बिसेन, उपसरपंच भोजराज पंधरे, राजकुमार राहंगडाले, अनिल बिसेन, हंसराज टेंभरे, विजय भोयर, रंजना नेवारे, जसोदा वाढिवे, डी.एन. बावने, रमेश बागड़े, आंगनवाड़ी सेविका आंगनवाड़ी सेवक, आशा वर्कर आदि उपस्थित थे।

खातिया

गोंदिया तहसील अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खातिया के ग्राम पंचायत कार्यालय में शिवस्वराज्य दिन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम की प्रथम नागरिक शेवंता तावाडे ने की तथा प्रमुख उपस्थिति के रुप में उपसरपंच स्वाति हत्तीमारे, पुलिस पाटील विनायक राखड़े, ग्राम सेवक शिरशाम, सदस्य राजेंद्र रामदत्ती, वंदना चौरे, चित्रकला बागड़े, सरिता तरुणे, केशवराव तावाडे, सूरजलाल खोटेले, शिक्षक सूर्यवंशी, विजेंद्र मेश्राम, आनंद बागड़े, जयपाल गिरिपुंजे तथा ग्राम के प्रमुख नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया तथा शिव ध्वजारोहण किया गया। साथ ही पालक मंत्री नवाब मलिक द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का वाचन किया गया।

धोटे बंधु विज्ञान महाविद्यालय

शहर के धोटे बंधु विज्ञान महाविद्यालय के ग्रंथालय विभाग के कक्ष में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्य अभिषेक दिवस के अवसर पर शिवस्वराज्य दिन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य अंजन नायडू ने अपने अभिभाषण में शिवाजी महाराज द्वारा किए गए स्वराज्य के कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन ग्रंथालय विभाग के प्रमुख प्रफुल वालदे ने किया। आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी तथा ऑनलाइन पद्धति से विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रा.संजय तिमाडे, प्रा.आनंद मोरे, प्रा.मनोज पटले, शरद मानकर, मदन पटले तथा सभी शिक्षक व कर्मचारियों व छात्रों द्वारा अथक प्रयास किये गये।

इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास की समीक्षा के लिए महाविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिक विभाग द्वारा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम ३ स्थानों पर आने वाले प्रतियोगियों को ई-प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन डॉ.स्नेहा जायसवाल ने किया।

ग्राम पंचायत महालगांव

अर्जुनी मोरगांव तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम महालगांव ग्राम पंचायत कार्यालय में शिवस्वराज्य दिन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच अशोक का पेड़ द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन कर शिवस्वराज्य ध्वजारोहण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उप सरपंच ओमप्रकाश नाईक, ग्रामसेवक ए.डी. हाथझाडे, ग्रापं सदस्य खेमराज लाडे, यशोधरा सहारे, मंगलागौरी लौंडे, युवराज सोनटक्के, विलास नागोसे, आंगनवाड़ी सेविका कलाम मैडम, कांताबाई रामटेके, स्वास्थ्य सेवक अशोक भोयर, प्रेमलता नाईक, विशाखा रामटेके, कार्तिक राने, रंजीत नागोसे, राकेश लांडगे, रमेश रामटेके , श्यामप्रकाश लोंढे, हीरालाल गेडाम व गांव के नागरिक व शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मराठा समाज गोंदिया

गोंदिया के सकल मराठा समाज, शिव छत्रपती मराठा समाज, शिव संग्राम व क्षत्रिय मराठा समाज संगठनों द्वारा सूर्याटोला में राजे मुधोजी भोसले की प्रमुख उपस्थिति में शिव स्वराज्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुधोजी भोसले द्वारा शिवाजी महाराज की प्रतिमा को माल्यार्पण किया गया। पश्चात समाज के उपस्थित नागरिकों द्वारा प्रतिमा को माल्यार्पण किया गया। आयोजित अवसर पर मराठा समाज को आरक्षण दे, ऐसी मांग के बैनर लेकर लोग आये थे। जिसमें दीपक कदम, राजेंद्र जगताप, अभय सावंत, महेंद्र बड़े, राजू तुपकर, अजिंक्य इंगले, अनिल काले, शाम घाटे, प्रतिक कदम, गणेश गरुड़, रमेश दलदले, संजय शिंदे, जयंत शिंदे, राजेश बड़े, देवराज तूपकर, शुभम तूपकर, आलोक पवार, गीतेश तुपकर, जयेश तुपकर, पंकज तूपकर सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गाज गिरी, ३ की मौत

भंडारा जिले के मोहाड़ी तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम खमारी में मंगलवार ८ जून की दोपहर ३ बजे के दरम्यान अचानक मौसम ने करवट ली। तेज गर्जना के साथ मौसम की पहली बारिश की शुरुआत हुई। जिससे बचने के लिए खेतों में कृषि कार्य में जुटे किसानों ने एक आम के पेड़ का सहारा लिया। उसी पेड़ पर गाज गिरने से ३ लोगों की जगह पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिला किसान अनिता सव्वालाखे (४०), आशा दमाहे (४२) के साथ एक पुरुष अशोक उपराड़े का समावेश है। घटना की जानकारी मिलते ही खमारी गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

रेलवे ई-टिकट दलाल को धरदबोचा

रेलवे में यात्रा करने वाले यात्रियों की टिकट अवैध रुप से बनाकर जालसाजी करने वाले गोंदिया ग्रामीण निवासी ३२ वर्षीय आरोपी की गुप्त जानकारी रेलवे सुरक्षा बल के क्राइम ब्रांच के निरीक्षक अनिल पाटील को मिली थी। मामले की पुष्टि कर निरीक्षक अनिल पाटिल, उप निरीक्षक के.के. दुबे, प्रधान आरक्षक आर.सी. कटरे, आरक्षक एस. बी. मेश्राम द्वारा उसे धरदबोचा गया। जिसके पास से दो पर्सनल आईडी से रेलवे की १६ आरक्षित ई-टिकट जिनकी कीमत ११,५३२ बताई गई को जप्त कर आरोपी के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा १४३ के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की कार्रवाई के लिए आरोपी को रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द किया गया।

चॉकलेट का लालच देकर किया विनयभंग

गोरेगांव तहसील अंतर्गत आने वाले चीचगांव में शनिवार ५ जून की सुबह ११ बजे के दौरान चीचगांव निवासी १२ वर्षीय नाबालिका को ३६ वर्षीय पाथरी निवासी आरोपी द्वारा चॉकलेट का लालच देकर एकांत में ले जाकर उसका विनयभंग किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चीचगांव में मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान पाथरी निवासी आरोपी जो मिक्सर मशीन चला रहा था, उसने एक नाबालिका को पैसे देकर पहले खर्रा बुलवाया। जिसके पश्चात चॉकलेट के लिए पैसे देने का बहाना कर निर्माणाधीन मकान के सुनसान कोने में ले जाकर अश्लील हरकत करते हुए विनयभंग किया। इसकी शिकायत पीड़ित द्वारा अपने माता-पिता को दिए जाने पर आरोपी के खिलाफ गोरेगांव पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बाल लैंगिक अत्याचार प्रतिबंधक कानून के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया।

बोगस दस्तावेजों से शासन के साथ धोखाधड़ी

गोंदिया - सड़क अर्जुनी की नवप्रवर्तन सामाजिक बहुउद्देशीय शिक्षा संस्था द्वारा संचालित के.एच. प्रशासकीय महाविद्यालय के आरोपी संचालक द्वारा भूमि के बोगस दस्तावेज तैयार कर महाविद्यालय की मंजुरी के लिए मुंबई मंत्रालय में भेज कर शासन के साथ धोखाधड़ी की। इस मामले में आरोपी के खिलाफ डुग्गीपार पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि सड़क अर्जुनी तहसील निवासी शारदाबाई अशोक लांजेवार के नाम से दर्ज भूमि का सातबारा, गांव नमुना ८ तथा उपविभागीय अधिकारी अर्जुनी मोरगांव के नाम से नकली व बनावटी आदेशपत्र, गोल सिक्का व बोगस हस्ताक्षर कर भूमि का अकृषक आदेश तैयार कर नवप्रवर्तन सामाजिक बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था द्वारा संचालित के.एच. महाविद्यालय सड़क अर्जुनी ने शासन के साथ धोखाधड़ी की है। गैर अर्जदार द्वारा वर्ष २०१७ से अब तक महाविद्यालय शुरु करने की मंजूरी के लिए बोगस दस्तावेज तैयार कर मुंबई मंत्रालय भेजे गये। उपरोक्त मामले का खुलासा होने पर फरियादी सड़क अर्जुनी के मंडल अधिकारी मामा चौक गोंदिया निवासी बृजलाल वरखड़े की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ४२०, ४६८, ४७१ के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच पुलिस निरीक्षक वांगड़े द्वारा की जा रही है।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वास्थ्य सेवक प्रकाश चौरे को ६ माह से नहीं मिला वेतन

परिवार पर भुखमरी का संकट

महेश गायधने - गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम चन्ना बाकटी के स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत तत्कालीन स्वास्थ्य सेवक सिद्धार्थ प्रकाश चौरे को स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.श्वेता कुलकर्णी द्वारा परेशान करने के उद्देश्य से गत ६ माह से वेतन नहीं निकाला गया। जिससे उनके परिवार के समक्ष भुखमरी का संकट निर्माण हो गया है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम चान्ना बाकटी में कार्यरत तत्कालीन स्वास्थ्य सेवक सिद्धार्थ प्रकाश चौरे को बेवजह परेशान कर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्वेता कुलकर्णी द्वारा वेतन निकालने की कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस संदर्भ में सिद्धार्थ चौरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वे २४ नवंबर २०२० को कोरोना से संक्रमित हुए थे। जिसके पश्चात पीठ के मनको में तकलीफ होने पर तुमसर के सिटी हॉस्पिटल में उपचार के लिए दाखिल हुए थे। जिसके पश्चात ८ फरवरी २०२१ को फिटनेस प्रमाणपत्र के अनुसार वे अपने कार्य पर पहुंचे। जिसके पश्चात १० फरवरी २०२१ को उनका तबादला जिला परिषद भंडारा किया गया। स्थानांतरण होने पर कार्यमुक्त किया गया तथा १२ फरवरी २०२१ को जिला परिषद भंडारा में अपना पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उनका वेतन दिसंबर २०२० से जनवरी २०२१ का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चान्ना बाकटी में सेवा प्रणाली द्वारा निकाला गया। जिसे जिलास्तर पर भेजा गया। जिसमें उनका २ महीने का बिल एकत्रीकरण किया गया, किंतु चान्ना बाकटी की वैद्यकीय अधिकारी डॉ.श्वेता कुलकर्णी द्वारा जिला स्तर पर फोन कर बताया गया कि उनका २ महीने का वेतन रिजेक्ट किया गया है। जिस पर उनसे बार-बार मिलने वह फोन पर संपर्क किए जाने पर एक लिपिक के माध्यम से पैसे की मांग की गई तथा उनका तबादला हुए ४ महीने होने के बावजूद उन्हें अंतिम वेतन प्रमाणपत्र (एलपीसी) नहीं मिलने से गत नवंबर माह से उनका वेतन नहीं मिल पाया है। जिसके चलते उनके परिवार के समक्ष भुखमरी का संकट निर्माण हो गया है।

इस संदर्भ में जिला स्वास्थ्य अधिकारी व जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोंदिया को भी लिखित में निवेदन दिया गया है। तथा वैद्यकीय अधिकारी डॉ. श्वेता कुलकर्णी से अनेकों बार मुलाकात करने के लिए जाने पर वे कभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित नहीं रहती तथा फोन नहीं उठाती। जिसके चलते उन्हें मानसिक परेशानियां उठानी पड़ रही है। यदि इस दौरान उन पर या उनके परिवार पर किसी भी प्रकार की गंभीर स्थिति निर्माण होती है तो इसकी जिम्मेदार डॉ.कुलकर्णी ही रहेंगी। जिस पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही करने की मांग सिद्धार्थ चौरे द्वारा की गई है।

केंद्र की भाजपा सरकार सभी मोर्चो पर असफल देश को पहुंचाया बर्बादी की कगार पर - पटोले

गोंदिया - महाराष्ट्र के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने ६ जून को गोंदिया से विदर्भ मिशन दौरे की शुरुआत की। इस दौरान शहीद भोला कांग्रेस भवन में आयोजित पत्र परिषद में उन्होंने भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सभी मोर्चों पर असफल हो चुकी है। देश को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया है। मोदी सरकार जनता से झूठे वादे व ओबीसी जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी में नई ऊर्जा का संचार करने के लिए मिशन विदर्भ अभियान चलाया है। जिसकी शुरुआत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने अपनी जन्मस्थली गोंदिया से की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश को **३ चि** दिये हैं। चीन का कचरा, चिता और चिंता। सरकार की असफलता के चलते कोरोना संक्रमण पूरे देश में फैल गया। जिससे लाशों का ढेर लग गये। दूसरे चरण के आने के पूर्व डब्ल्यूएचओ ने भारत को चेतावनी दी थी। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने देश को कोरोना से मुक्त बता कर किसी भी प्रकार की उचित स्वास्थ्य व्यवस्था नहीं की। जिससे देश के हालात काफी बिगड़ गए और विश्व में भारत की बदनामी हुई।

कोरोना संक्रमण से राज्य सरकार संघर्ष कर रही है। लेकिन ऐसे संकटकाल में भी भाजपा राजनीति कर, काम नहीं करने दे रही। कभी मराठा आरक्षण, कभी धनगर समाज, ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उछालते हुए जनता को बरगला रही है। भाजपा ही आरक्षण खत्म करना चाहती है। जब सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी जनगणना के आंकड़े केंद्र सरकार से मांगे तो केंद्र ने नहीं दिये। भाजपा के मंत्री कहते हैं कि ओबीसी जनगणना नहीं करेंगे, न ही आंकड़े बताएंगे। इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा स्वयं ही ओबीसी की जनगणना नहीं करवाकर गुमराह कर रही है।

गलत नीति के चलते बढ़ रही है महंगाई

जब पेट्रोल ३० व डीजल २२ लीटर अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिल रहा है, तो उसे सस्ता बेचने की बजाय केंद्र द्वारा अधिक कर लगाकर १०० रुपए लीटर में बिक्री की जा रही है। मार्ग विकास टैक्स के नाम पर वर्तमान सरकार १८ रुपये प्रति लीटर वसुल कर रही है। जबकि अटल बिहारी वाजपेई सरकार के समय यह एक रुपए प्रति लीटर शुरु किया गया था। जिसे मनमोहन सरकार द्वारा भी उसी दर पर रखने पर प्रतिवर्ष लाखों करोड़ रुपए टैक्स के रुप में मिल रहे थे। अब जबकि १८ रुपए प्रति लीटर टैक्स वसुला जा रहा है, जिसके चलते महंगाई कम नहीं हो पा रही है।

देश के बंदरगाह अदानी के कब्जे में

खाद्य तेलों में दुगनी बढ़ोतरी

आज खाद्य तेल १२ सौ रुपए से २४ रुपए पर पहुंच गया है। अदानी का फार्चून तेल पूरे देश में बिक्री हो रही है। देश में आवश्यकता के अनुसार लगने वाला खाद्य तेल जहाजों के माध्यम से आयात किया जाता है। देश के अधिकांश बंदरगाह अदानी कंपनी को दे दिए जाने से खाद्य तेलों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी होने से आम नागरिकों का ही तेल निकल रहा है। लेकिन इस ओर सरकार का ध्यान नहीं जा रहा। जिससे आम नागरिकों की कमर टूट चुकी है।

कांग्रेस फिर से होंगी मजबूत

कांग्रेस को देश में पुन: मजबूती देने के लिये पूरे विदर्भ में अभियान चलाया जा रहा है। कांग्रेस से बाहर गए नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में वापस अपने घर लौट रहे हैं। हम जल्द ही उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर पार्टी को और मजबूत करने का कार्य करेंगे।

जाहिर सुचना

मैं डॉ.हितेश मंत्री (पंजीयन क्र. 53706A) जनहित में जाहिर करता हूँ कि मैं बैतुल स्थित ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल भारत भारती, जामठी, बैतुल (मध्यप्रदेश) में दि. ३१ मार्च २०२१ से बाल रोग विभाग में प्राध्यापक पद पर कार्यरत हूँ।

महाविद्यालय में मेरी कार्यावधि प्रात: १०.०० से दोपहर ४.०० बजे तक किया जा सकता है। इसके पश्चात मुझसे चिकित्सा परामर्श हेतु मेरे निवास स्थान पर संपर्क किया जा सकता है।

- डॉ.हितेश मंत्री

अनाधिकृत रुप से चल रहे ईंट भट्टे

तहसीलदार को शिकायत पत्र देने पर भी कार्रवाई नहीं - मुकेश मिश्रा

तहसीलदार व पटवारी के आशीर्वाद से खनन माफिया राजस्व को लगा रहे चुना, जिलाधिकारी को पत्र देकर कार्रवाई की मांग

गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर शासन से लीज की मंजूरी न लेकर ईट भट्टे चलाए जा रहे हैं। जिसमें गोरेगांव तहसील में बड़े पैमाने पर अनाधिकृत रुप से चल रहे ईट भट्टों की शिकायत तहसीलदार गोरेगांव से किए जाने पर भी कार्यवाही नहीं की गयी। जिस पर बजरंग सेना जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शासन को चूना लगा रहे अवैध खनन पर कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में गौण खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। फिर भी नक्षलग्रस्त जिला होने के चलते ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक रोजगार से वंचित है। साथ ही गत वर्ष से चल रहे हैं लरॅकडाउन से गरीब मजदूरों पर भुखमरी की नौबत आन पड़ी है। वहीं दूसरी ओर कुछ खनन माफिया द्वारा तहसीलदार व पटवारी स्तर के अधिकारियों से सांठगांठ कर बिना शासन की मंजूरी व राजस्व जमा करवाए अवैध रुप से गौण खनिज का उत्खनन किया जा रहा है। जिले में शासन से बिना मंजूरी लिये बड़े पैमाने पर ईट भट्टे शुरु है। गोरेगांव तहसील के अंतर्गत चल रहे अवैध ईट भट्टों की सूची सहित गोरेगांव के तहसीलदार को शिकायत की गई थी। लेकिन बावजूद उसके प्रशासन द्वारा उन पर कार्रवाई नहीं किए जाने से उनके हौसले बुलंद हो रहे हैं। इस संदर्भ में जानकारी प्राप्त हुई है कि अवैध उत्खनन करने वालों को तहसीलदार व पटवारी स्तर के अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। गोंदिया तहसील में शासन द्वारा मात्र १८ ईट भट्टों को मंजूरी दी गई है। लेकिन तहसील में अनाधिकृत रुप से डेढ़ सौ से अधिक ईट भट्टे चल रहे हैं। इस प्रकार का नजारा पूरे जिले में दिखाई दे रहा है। ईट भट्टों के साथ ही अन्य गौण खनिज का उत्खनन खनन भी माफिया द्वारा बड़े पैमाने पर शासन की बिना मंजूरी के बिना रॉयल्टी के चल रहा है। उपरोक्त मामले में जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने मांग गोंदिया जिला बजरंग सेना के जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा द्वारा जिला अधिकारी को पत्र लिखकर की गयी है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का २२वां स्थापना दिवस

तहसील स्तर पर होगा पक्ष का ध्वजवंदन

गोंदिया - १० जून को पार्टी के २२वें स्थापना दिवस के अवसर पर गोंदिया जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा कोविड स्थिति को देखते हुए सादगीपूर्ण ढंग से कार्यक्रम आयोजित किये है। रेलटोली गोंदिया स्थित पक्ष के जिला मुख्यालय सहित सभी तहसील स्तर के कार्यालयों में पक्ष का ध्वजवंदन किया जाएगा।

तहसील स्तर पर पक्ष पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को वर्धापन दिवस कोविड नियमों के तहत मनाने व पार्टी कार्यक्रमों से सभी को अवगत कराने की अपील पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन व जिलाध्यक्ष विजय शिवनकर ने की है।

जन्मदिवस मतलब जनसेवा दिन - विधायक विनोद अग्रवाल

कोरोना काल में हजारो शवों को मुखाग्नी देनेवाले सोनझरी समाज के साथ मनाया जन्मदिन

गोंदिया - विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिन को गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता और पदाधिकारीयों ने जनसेवा दिन के रुप में मनाया। कोरोना के प्रकोप से अनेक नागरिकों ने अपने करीबियों को खोया है। इस कोरोना ने अनेकों का रोजगार छीन लिया है। रोज कमाई करके जीवनयापन करनेवाले नागरिकों के सामने आर्थिक संकट आ पड़ा है। इसलिए इस वर्ष मेरा जन्मदिन जनसेवा दिन के रुप में मनाया जाए, ऐसा आवाहन विधायक विनोद अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर विडिओ पोस्ट करके किया था। उसको प्रतिसाद देते हुए चाबी संघटना के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्तयांओ ने विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें कोरोना टीकाकरण, अस्पताल में फल वितरण, पौधारोपण आदि कार्यक्रमों का इसमें समावेश था।

सोनझरी समाज के साथ दिन की शुरुवात

विनोद अग्रवाल ने कोरोना काल में हजारों शवो का अंतिम संस्कार करने वाले सोनझरी समाज का सत्कार कर अपनी दिनचर्या की शुरुआत की। इस बीच, उन्होंने सोनझरी समुदाय की समस्या भी सुनी। गांवों में टीकाकरण के प्रति जागरुकता अभियान, ग्रामीण भागों में टीकाकरण की संख्या बढ़ाने की दृष्टी से चाबी संघटना के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनजागृती करने के लिए पत्रक बटवाये। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि जिस प्रकार मतदान के समय नागरिकों को बूथ पर लेकर जाते हैं, ठीक उसी तरह टीकाकरण केंद्र पर लोगों को लेकर आना चाहिए। संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारीयो ने गांवों में घर-घर जाकर टीकाकरण के प्रति जागरुकता अभियान चलाया।

अनेक जगहों पर वृक्षारोपण और फल वितरण

जन्मदिन के अवसर पर कार्यकर्ताओं ने गोंदिया के केटीएस सामान्य अस्पताल के साथ ही बाई गंगाबाई स्त्री अस्पताल में फलों के वितरण के साथ ही ग्राम ढाकणी में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।